वन्देमातरम् चित्रावली

BANDEMATARAMA ALBUM

माला के तीन उपन्यास-रत्न

पृष्ठ ५५० मू० २॥) डाई रु०

माला का यह १६ वां उपन्यास ईष्ट इंडिया कम्पनी के अंगरेजों के भीषण अत्याचारों का जीता जागता चित्र है। लार्ड मेकाले का कहना है कि "बङ्गाल में भी अत्याचार हुआ था, पर ऐसा भीषण अत्याचार कभी नहीं हुआ।" इसी भीषण अत्याचार का यह पुस्तक ज्वलन्त उदाहरण है।

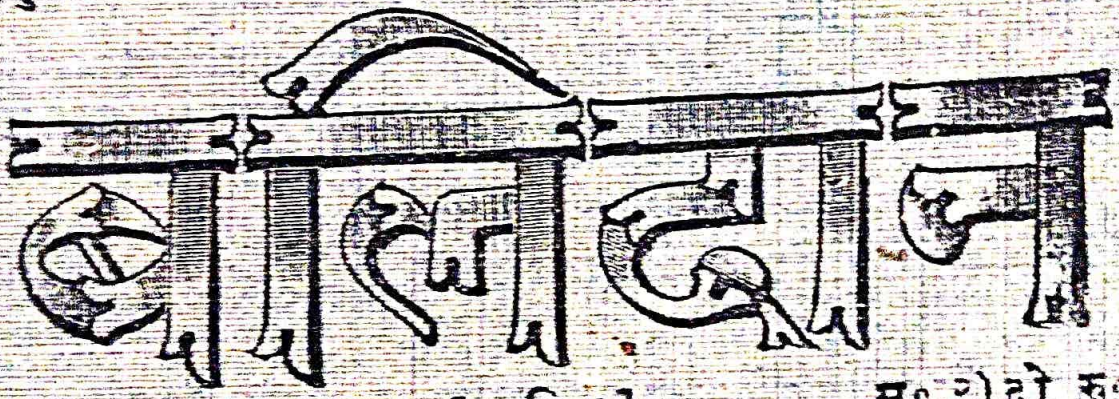

[७ चित्र] मू० २) दो रु०

पृष्ठ २६० माला का २० वां उपन्यास संसार के सर्वश्रेष्ठ उपन्यास-लेखक विक्टर ह्यूगो के Ninety three का हिन्दी अनुवाद है। प्रताप के सम्पादक श्रीयुत गणेशशङ्कर विद्यार्थी इसके अनुवादक हैं। बलिदान फ्रांस की राज्य-क्रान्ति का ऐतिहासिक उपन्यास है। यह सच है कि "बलिदान उपन्यास नहीं किन्तु देशभक्तों की रामायण है।"

पृष्ठ ५१६ मू० २॥) डाई रु०

माला की यह २४ वीं पुस्तक मराठी के सर्वश्रेष्ठ उपन्यासकार श्री हरनारायण आपटे का ऐतिहासिक उपन्यास है। इसमें हिन्दुसाम्राज्य विजय नगर के विनाश की करुण कथा है और इन बात के मूल कारणों का पता लगता है कि भारत में मन्दिरों और धर्मोत्सवों के स्थान पर मस्जिदें और दरगाहें कैसे खड़ी होगईं?

प्रकाश पुस्तकालय, कानपुर

वन्दे मातरम् चित्राधार

BANDEMATARAM ALBUM

Bande Mátaram song in Pictures

With the English Translation

BY

Sj. AURBINDO GHOSH.

Copyright.

J. KAMALNAYAN BAJAJ
WARDHA (C. P.)

GOVINDRAM SEKSARIA COLLEGE OF COMMERCE
GIFT
LIBRARY
NAGPUR

१६२३.

मुद्रक—
कमर्शल प्रेस कानपुर।

प्रकाशक :—
शिवनारायण मिश्र वैद्य,
प्रकाश पुस्तकालय, कानपुर.
मूल्य २)

चित्रकार :—
श्री० तेजेन्द्रकुमार मिश्र.

Publisher,
Shiva Narayan Mishra Vaidya
PRAKASH PUSTAKALAYA,
CAWNPORE.
2/-

चार शब्द ।

'वन्देमातरम्' गायन सर्व-सम्मति से भारत का राष्ट्रीय-गीत है। जिसे कभी भी राष्ट्रीयमहासभा 'इंडियन नेशनल काँग्रेस' में सम्मिलित होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है वही इस राष्ट्रीय-गीत के ताल और लय के माधुर्य्य का अनुभव कर सकता है। बङ्गीय साहित्य-सम्राट बंकिमचन्द्र ने इस गीत में अपने सुन्दर शब्दों द्वारा जिन भावों को व्यक्त किया है उन्हीं को कुशल चित्रकार ने हमारे सामने प्रत्यक्ष करने का प्रयत्न किया है।

गायन का अङ्गरेज़ी अनुवाद देश के पूज्य ऋषि श्रीयुत अरविन्द घोष द्वारा किया गया है।

FOREWORD.

"BANDE MATARAM" is, by now, unanimously acclaimed as the national song of United India. According to the *Rashtriya Dharma*, it is the *Mangla charan*, with which all the national bodies begin their work. Those who have had the good fortune to be present in any session of the Indian National Oongress, and feel the thrill and the wave of devotion to motherland running through their veins as *Bande Mataram* is sung, in sweet tunes, can very well appreciate the inner beauty and the deep meaning underlying this remarkable poen. What the recognised father of the Modern Bengalee expressed in his poetic words, the artist has tried to depict, with his skill, in pictures.

The English translation of the national song given here is that of Mahatma Arbindo Ghosh.

वन्दे मातरम् ।

सुजलाम् सुफलाम् मलयज-शीतलाम्
शस्य-श्यामलाम् मातरम् ।
शुभ्र-ज्योत्स्ना-पुलकित-यामिनीम्
फुल्ल-कुसुमित-द्रुमदल-शोभिनीम्
सुहासिनीम्-सुमधुर-भाषिणीम्
सुखदाम् वरदाम् मातरम् ।

त्रिंश-कोटि-कण्ठ-कलकल-निनाद-कराले,
द्वित्रिंश-कोटि-भुजैर्धृत-खरकरबाले,
के बोले मा तुमि अबले;
बहुबलधारिणीम् नमामि तारिणीम्
रिपुदलवारिणीम् मातरम् ।
श्यामलाम् सरलाम् सुस्मिताम् भूषिताम्
धरणीम् भरणीम् मातरम् ।

Roman Tramsliteration of Bandemataram Song.

Bande Mataram.

Sujalam Suphalam Malayaja-Sheetalam
Shasya-shyamalam mataram.
Shubhra-jyotsna-pulakita-yamineem
Phulla-kusumita-drumadala-shobhineem
Suhasineem-Sumadhura-bhashineem
Sukhadam vardam mataram.

Trimsha-koti-kantha-kalakala-ninada-karale,
Dwitrimsha-koti bhujairdhrita-kharkarbale,
Ke-bole-ma-tumi-abale !
Bahubaladharineem namami tarineem
Ripudalabarineem mataram.
Shyamalam saralam susmitam bhushitam
Dharaneem bharaneem mataram.

English Translation of Bande Mataram Song.

Mother I bow to thee!
Rich with thy hurrying streams,
Bright with thy orchard gleams,
Cool with thy winds of delight,
Dark fields waving, mother of might,
Mother free.
Glory of moon-light-dreams
Over thy beaches and lordly streams;
Clad in thy blossoming trees,
Mother, giver of ease.
Laughing low and Sweet !
Mother I kiss thy feet,
Speaker sweet and low !
Mother to thee I bow.
Who hath Said thou art weak in lands,
* When the swords flash out in seventy million hands
† And seventy million voices roar
Thy dreadful name from shore to shore ?
With many strengths who art mighty and stored,
To thee I call, mother and Lord !
Thou who savest, arise and save
To her I cry who ever her foemen drove.
Back from plain and sea
And shook herself free.
Pure and perfect without peer,
Mother lend, thine ear,
Rich with thy hurrying streams,
Bright with thy orchard gleams,
Dark of hue, O Candid fair
In thy soul, with jewelled hair,
And thy glorious smile divine
Loveliest of all earthly lands,
Showering wealth from well-stored hands !
Mother, mother mine !
Mother sweet, I bow to thee
Mother great and free !

AURBINDO GHOSH.

* When the swords flash out in sixty crores hands
† And thirty crores voices roar,

वन्दे मातरम् ।

Bande Mátaram.

Hail mother, I bow to thee !

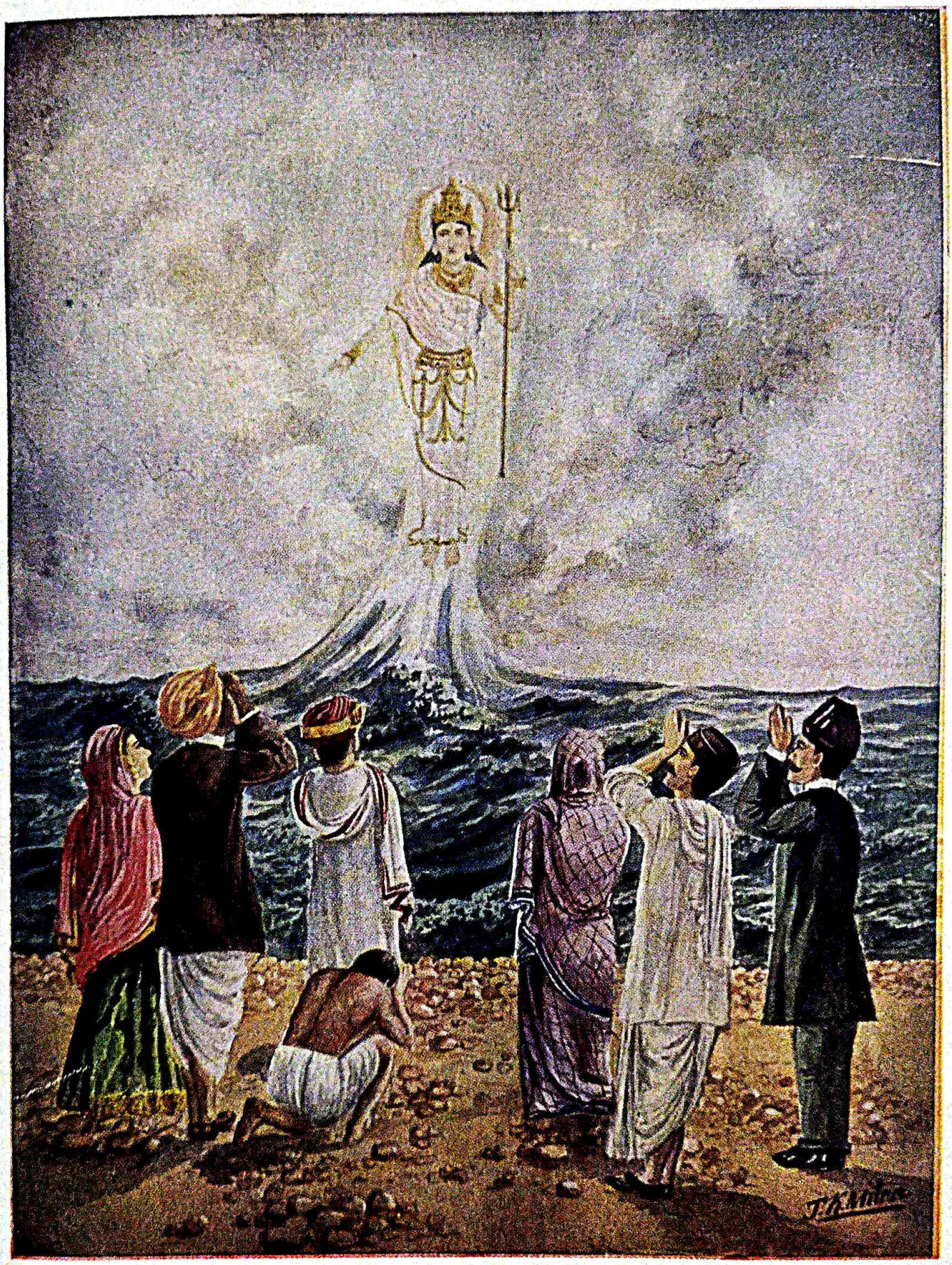
J.K.Mitra

LIBRARY
NAGPUR

सुजलाम्

Sujalám

Nature supplies thee with all thy wants,
With Sweet Water,

GIFT

GIFT

सुफलाम्

Suphalám

And with luscious fruits;

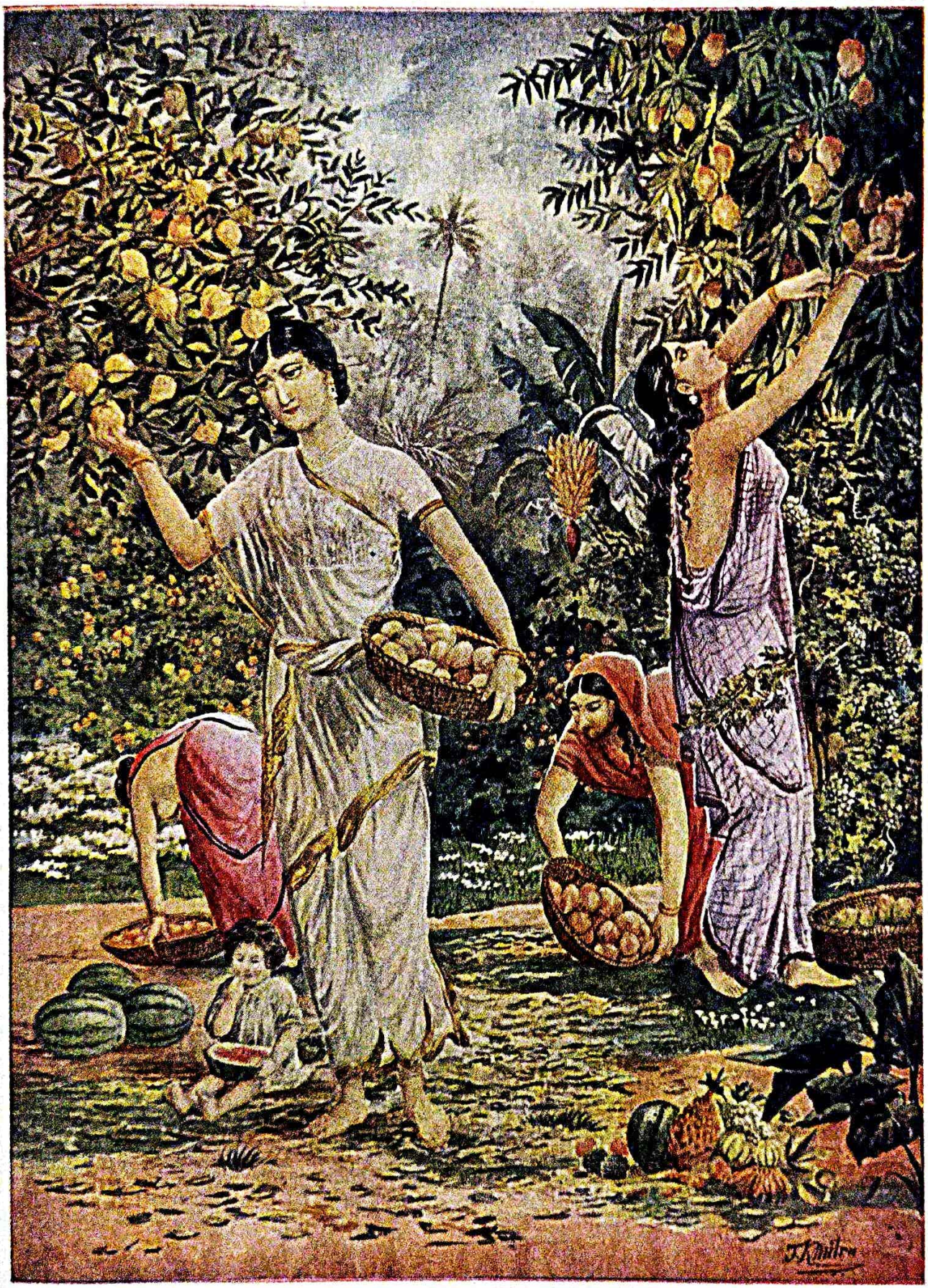

मलयज-शीतलाम्

शस्य-श्यामलाम् मातरम् ।

Malayaja-Sheetalám

Shashya Shyámalám Mataram.

Thou art soothed by balmy breeze,
Ever verdant with green herbage;

T.K. Mitra

शुभ्र-ज्योत्स्ना-पुलकित-यामिनीम्,

Shubhra-jyotsná-pulakita-yámineem,

Thy nights ever resplendent with Silver Moons,

T.K. Mitra

फुल्ल-कुसुमित-द्रुमदल-शोभिनीम्,

Phulla-kusumita-drumdala-shobhineem,

Bedecked Thou art in flowery plants,

LIBRARY
NAGPUR

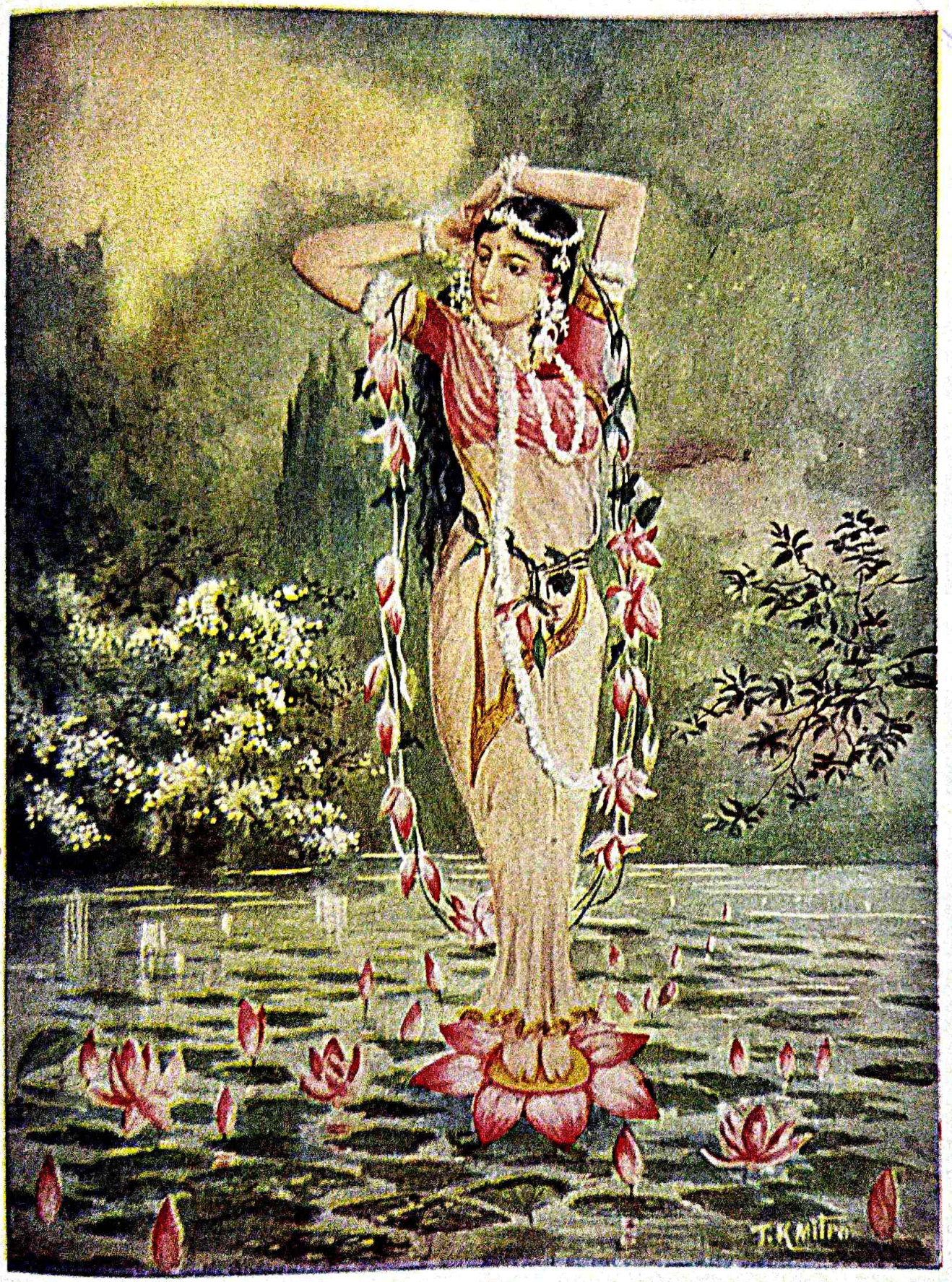

सुहासिनीम्

Suhásineem

Ever cheerful, ever bright,

GIFT
LIBRARY
NAGPUR

सुमधुर-भाषिणीम्,
सुखदाम् वरदाम् मातरम् ।

Sumadhur-bhashineem,
Sukhadam-vardam Mataram

Full of promise and of hope;
Mother, thou bestoweth sweet pleasure and
happiness divine.

त्रिंश-कोटि-कण्ठ-कलकल-निनाद-कराले,
द्वित्रिंश-कोटि-भुजैर्धृत-खरकरवाले,

Trimsha-koti-Kantha-kalkal-Ninád-karale,
Dwitrimsha-koti-Bhujairdhrit-Kharakarabále,

Thy cause championed thy thirty crores of souls,
Twice thirty crores of arms to defend thee:

T.K. Mitra

के बोले मा तुमि अबले !
बहुबलधारिणिम्

Kebole má tumi abale !
Bahubala dhárineem

Who says mother thou art feeble ?
Thou Commandest immense strength,

T. K. Mitra

नमामि तारिणीम्

Namámi tárineem.

Our salvation lies in thee:
(Hail mother I bow to thee !)

रिपुदलवारिणीम् मातरम् ॥

Ripudalabárineem Mátaram.

Thou hast power to ward off foes,
Mother, I bow to thee.

T. K. Mitra

श्यामलाम् सरलाम् सुस्मिताम् भूषिताम्
धरणीम् भरणीम् मातरम् ॥

Shyámalám Saralám Susmitám Bhushitám
Dharaneem Bharaneem Mátaram.

Ever happy and ever simple,
Ever bright and ever beautifull,
Thou our support, our nourishment,
I bow to thee.

प्रकाश पुस्तक माला

की सर्व प्रशंसित पुस्तकें ।

गोरा (उपन्यास) रवीन्द्रबाबू	२)
घर और बाहर ,, रवीन्द्रबाबू	१)
महाराज नन्दकुमार को फाँसी उप०	२॥)
बलिदान (उपन्यास) विश्वम्भरनाथ	२)
वज्राघात ,, आपटे	२॥)
सम्राट अशोक	२)
भारतीय सम्पत्ति शास्त्र	५)
टाल्स्टाय के सिद्धान्त	१।)
अकाली दर्शन (३५ चित्रों सहित)	॥)
रूस की राज्यक्रान्ति (सजिल्द)	२॥)
चीन की ,, (सजिल्द)	१॥)
राष्ट्रीय वीणा भाग १	॥=)
राष्ट्रीय वीणा भाग २	॥)
त्रिशूल तरङ्ग (कवि त्रिशूल)	॥=)
सती सारन्धा (सचित्र काव्य)	॥=)
कृष्णार्जुन युद्ध नाटक	॥=)
जीवन नाटक	॥)
भारत के देशी राष्ट्र	॥)
फिजी में प्रतिज्ञाबद्ध कुलीप्रथा	१)
चेतसिंह और काशी का विद्रोह	।=)
एशिया निवासियों के प्रति यूरोपियनों का बर्ताव (सचित्र)	।=)
साम्यवाद	।=)
मेरे जेल के अनुभव (म० गान्धी)	।=)
देवीजॉन (जोन आफ आर्क)	।=)
श्रीकृष्ण चरित्र	।=)
रूस का राहु	।=)
उद्योगी पुरुष	।=)
जर्मन जासूस की रामकहानी	।-)
युद्ध की कहानियाँ	।)
वन्देमातरम् चित्राधार (चित्र अलबम)	२)

हमारी प्रकाशित कुछ अन्य पुस्तकें

फिजी द्वीप में मेरे २१ वर्ष	॥)
मेघनाद वध (माइकेल मधुसूदन)	॥।)
शिक्षा सुधार	॥)
बहिष्कृत भारत	।)
हमारा भीषण ह्रास	।)
सितार शिक्षक	।=)
कृषक क्रन्दन	=)
कुसुमाञ्जलि	=)
राजयोग	।=)
भक्तियोग (छप रहा है)	।=)
दादा भाई नौरोजी	=)॥
रानाडे की जीवनी	=)॥
भारतीय इतिहासमें स्वराज्य की गूंज	।=)
कांग्रेस का इतिहास	।-)
आयरलैण्ड में होमरूल	॥)
आयर्लैंड में मातृभाषा	।=)
बीसवीं सदी का महाभारत	॥)
राजनीति प्रवेशिका	।=)
स्वराज्य पर मालवीय जी	।)
स्वराज्य पर सर रवीन्द्र	।)
चम्पारन की जांच रिपोर्ट	।-)
कलकत्ते में स्वराज्य की धूम	।)

प्रकाश पुस्तकालय, कानपुर

GIFT

प्रताप पुस्तकालय कानपुर